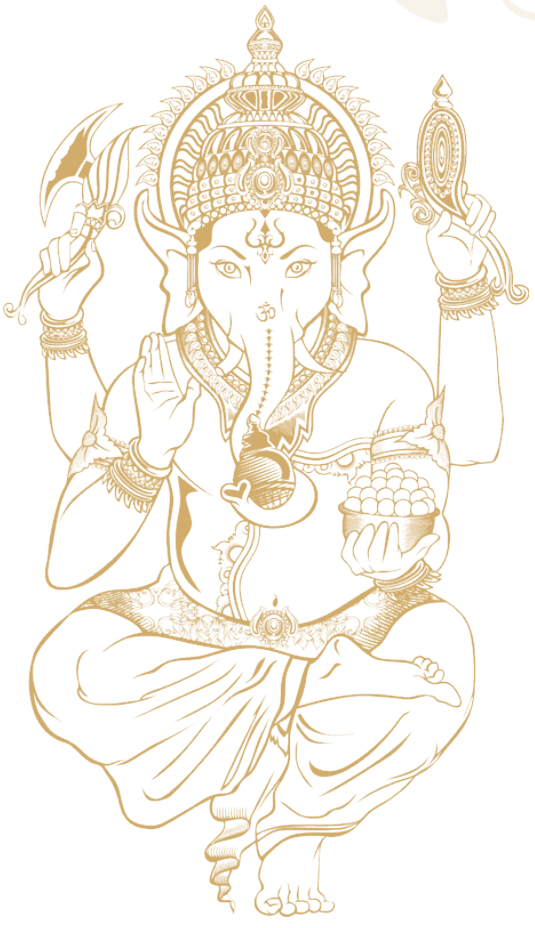

Pradeep

05 Mar 1987

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
05/03/1987	जन्म तिथि	**4-05/03/2014**
गुरुवार	दिन	मंगल–बुधवार
घंटे 07:15:00	जन्म समय	05:31:00 घंटे
घटी 02:23:21	जन्म समय(घटी)	58:02:21 घटी
India	देश	India
Jeypore	स्थान	Jeypore
उत्तर 18:52:00	अक्षांश	18:52:00 उत्तर
पूर्व 82:38:00	रेखांश	82:38:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:32	स्थानिक संस्कार	00:00:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:39	सूर्योदय	06:18:03
18:04:32	सूर्यास्त	18:04:40
23:40:37	चित्रपक्षीय अयनांश	24:03:28
मीन	लग्न	कुम्भ
गुरु	लग्न–लग्नाधिपति	शनि
मेष	राशि	मेष
मंगल	राशि–स्वामी	मंगल
भरणी	नक्षत्र	अश्विनी
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	केतु
3	चरण	3
ऐन्द्र	योग	ब्रह्म
कौलव	करण	बव
ले–लेखपाल	जन्म नामाक्षर	चो–चोखी
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	चतुष्पाद
गज	योनि	अश्व
मनुष्य	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	सिंह
27	गत/तत्कालिक वर्ष	28

जन्म – विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि व अ	ग्रह व अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उ0भाद्रपद	2	07:48:46	मीन	लग्न	कुंभ	05:19:25	4	धनिष्ठा
पू0भाद्रपद	1	20:16:24	कुंभ	सूर्य	कुंभ	20:16:24	1	पू0भाद्रपद
भरणी	3	23:05:13	मेष	चंद्र	मेष	08:38:20	3	अश्विनी
भरणी	1	14:53:27	मेष	मंग व	तुला	03:24:24	4	चित्रा
शतभिषा	1	09:35:27	कुंभ व अ	बुध	मक	25:05:34	1	धनिष्ठा
उ0भाद्रपद	2	06:52:00	मीन	गुरु व	मिथु	16:23:15	3	आर्द्रा
उत्तराषाढ़ा	4	08:21:49	मक	शुक्र	मक	05:12:59	3	उत्तराषाढ़ा
ज्येष्ठा	4	26:55:11	वृश्चि	शनि व	तुला	29:15:25	3	विशाखा
रेवती	1	18:06:07	मीन	राहु	तुला	05:08:22	4	चित्रा
हस्त	3	18:06:07	कन्या व	केतु व	मेष	05:08:22	2	अश्विनी
मूल	1	02:43:48	धनु	मु	मिथु	07:48:46	1	आर्द्रा

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:28

लग्न–चलित

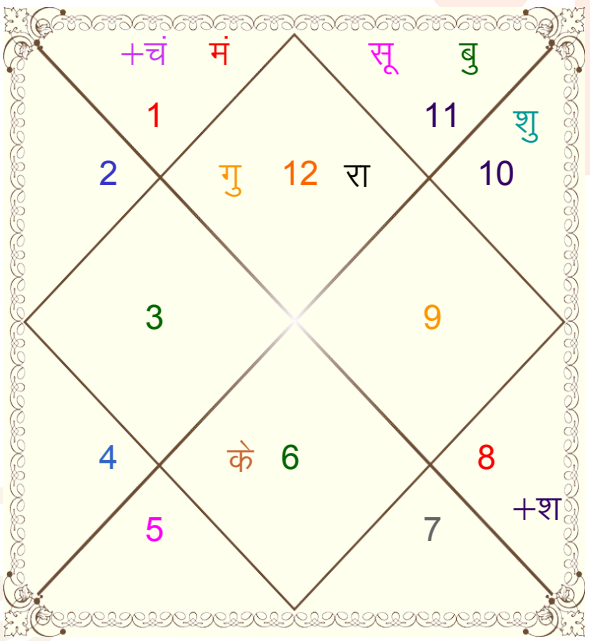

वर्ष लग्न कुंडली

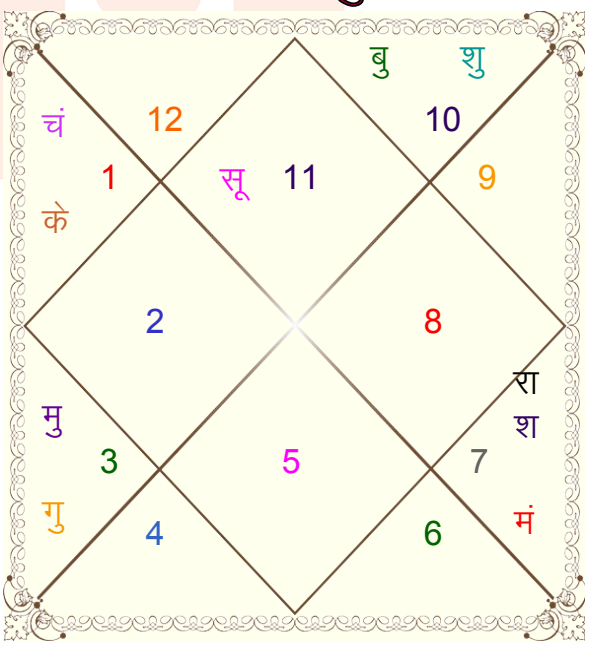

चन्द्र कुंडली

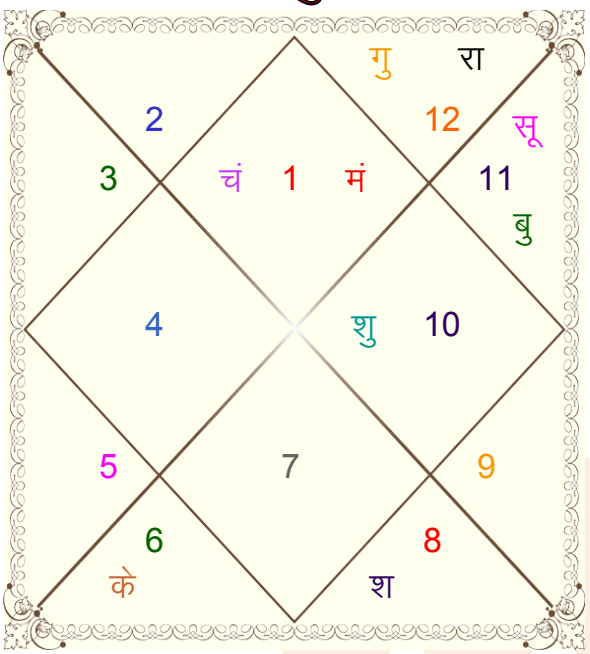

वर्ष चन्द्र कुंडली

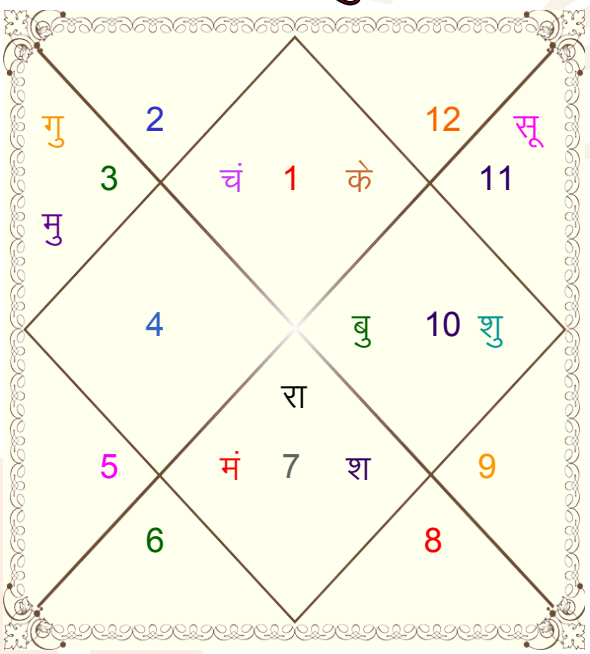

नवमांश कुंडली

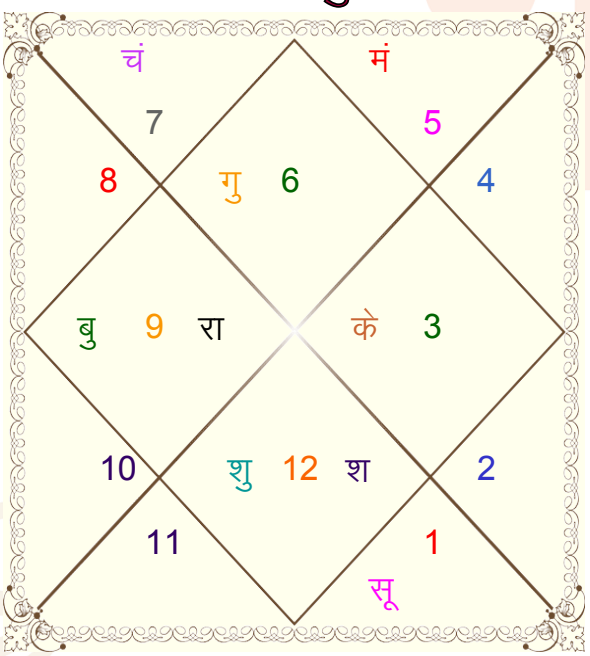

वर्ष नवमांश कुंडली

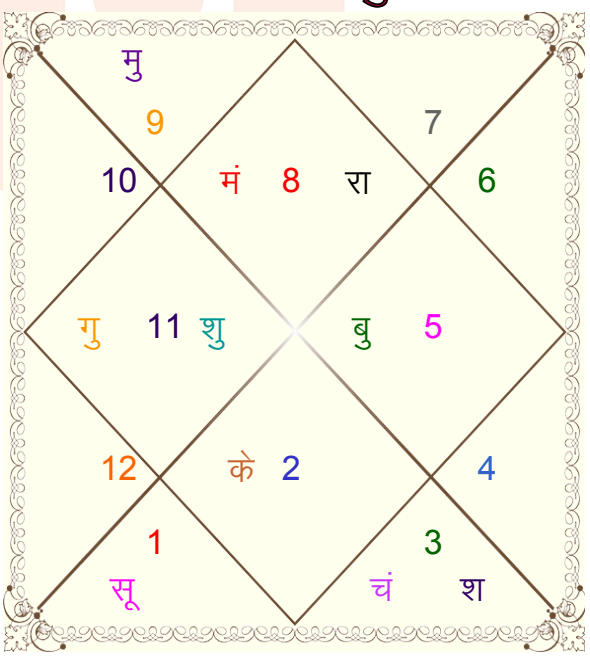

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	....	मित्र	मित्र	सम	मित्र	सम	मित्र
चन्द्र	मित्र	....	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	शत्रु	....	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
बुध	सम	शत्रु	शत्रु	....	सम	शत्रु	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	....	सम	मित्र
शुक्र	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	....	शत्रु
शनि	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	....

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कुंभ	कुंभ	मेष	तुला	मक	मिथु	मक	तुला
होरा	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	तुला	कर्क	मेष	कर्क	सिंह	मेष	मीन	धनु
चतुर्थांश	कुंभ	सिंह	कर्क	तुला	तुला	धनु	मक	कर्क
पंचमांश	मेष	मिथु	कुंभ	मेष	वृश्चि	धनु	वृष	तुला
षष्ठांश	वृष	सिंह	वृष	मेष	मीन	कर्क	वृश्चि	कन्या
सप्तमांश	मीन	मिथु	मिथु	तुला	धनु	कन्या	सिंह	मेष
अष्टमांश	कन्या	मक	मिथु	मेष	तुला	कन्या	वृष	वृश्चि
नवमांश	वृश्चि	मेष	मिथु	वृश्चि	सिंह	कुंभ	कुंभ	मिथु
दशमांश	मीन	सिंह	मिथु	वृश्चि	वृष	वृश्चि	तुला	कर्क
एकादशांश	कुंभ	सिंह	मिथु	तुला	कन्या	वृश्चि	मक	कर्क
द्वादशांश	मेष	तुला	कर्क	वृश्चि	वृश्चि	धनु	मीन	कन्या

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु
होरा	मित्र	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
द्रेष्काण	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	मित्र
चतुर्थांश	स्व	स्व	शत्रु	शत्रु	स्व	शत्रु	शत्रु
पंचमांश	सम	शत्रु	स्व	शत्रु	स्व	स्व	शत्रु
षष्ठांश	स्व	शत्रु	स्व	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
सप्तमांश	सम	शत्रु	शत्रु	सम	सम	सम	शत्रु
अष्टमांश	मित्र	शत्रु	स्व	शत्रु	सम	स्व	शत्रु
नवमांश	मित्र	शत्रु	स्व	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
दशमांश	स्व	शत्रु	स्व	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु
एकादशांश	स्व	शत्रु	शत्रु	स्व	मित्र	शत्रु	शत्रु
द्वादशांश	सम	स्व	स्व	शत्रु	स्व	सम	शत्रु
शुभ	9	3	7	1	9	3	1
सम	3	0	0	5	3	3	0
अशुभ	0	9	5	6	0	6	11
कुल	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	5	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	5
तृतीय बल	0	5	0	0	5	0	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	15	0	5	5	5	15
बल	अतिक्षीण	बली	अतिक्षीण	क्षीण	क्षीण	क्षीण	बली

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	22.50	7.50	7.50	7.50	15.00	7.50	7.50
उच्च बल	14.47	17.29	7.27	5.55	17.93	10.91	18.97
हददा बल	11.25	3.75	3.75	3.75	15.00	3.75	3.75
द्रेष्काण	7.50	2.50	2.50	5.00	7.50	5.00	7.50
नवमांश	3.75	1.25	5.00	2.50	3.75	1.25	1.25
कुल	59.47	32.29	26.02	24.30	59.18	28.41	38.97
विंशोपक	14.87	8.07	6.50	6.07	14.80	7.10	9.74
बल	शुभ	सामान्य	सामान्य	सामान्य	शुभ	सामान्य	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	गुरु	14.80	अतिशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	शनि	9.74	अतिशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	बुध	6.07	दृष्टि नहीं	गुरु
दिवापति	मंग	6.50	अतिशुभ	
त्रिराशिपति	गुरु	14.80	अतिशुभ	

पात्यंश दशा

मंगल		शुक्र		लग्न		चन्द्र		गुरु	
05/03/2014		16/04/2014		09/05/2014		10/05/2014		21/06/2014	
16/04/2014		09/05/2014		10/05/2014		21/06/2014		25/09/2014	
मंग	10/03/2014	शुक्र	18/04/2014	लग्न	09/05/2014	चंद्र	15/05/2014	गुरु	16/07/2014
शुक्र	12/03/2014	लग्न	18/04/2014	चंद्र	09/05/2014	गुरु	26/05/2014	सूर्य	29/07/2014
लग्न	12/03/2014	चंद्र	20/04/2014	गुरु	09/05/2014	सूर्य	31/05/2014	बुध	14/08/2014
चंद्र	17/03/2014	गुरु	26/04/2014	सूर्य	10/05/2014	बुध	07/06/2014	शनि	28/08/2014
गुरु	29/03/2014	सूर्य	29/04/2014	बुध	10/05/2014	शनि	13/06/2014	मंग	08/09/2014
सूर्य	03/04/2014	बुध	03/05/2014	शनि	10/05/2014	मंग	18/06/2014	शुक्र	14/09/2014
बुध	10/04/2014	शनि	06/05/2014	मंग	10/05/2014	शुक्र	20/06/2014	लग्न	14/09/2014
शनि	16/04/2014	मंग	09/05/2014	शुक्र	10/05/2014	लग्न	21/06/2014	चंद्र	25/09/2014

सूर्य		बुध		शनि		मंगल	
25/09/2014		13/11/2014		12/01/2015		05/03/2015	
13/11/2014		12/01/2015		05/03/2015		00/00/0000	
सूर्य	02/10/2014	बुध	23/11/2014	शनि	19/01/2015	मंग	05/03/2015
बुध	10/10/2014	शनि	01/12/2014	मंग	25/01/2015	शुक्र	00/00/0000
शनि	17/10/2014	मंग	08/12/2014	शुक्र	29/01/2015	लग्न	00/00/0000
मंग	22/10/2014	शुक्र	12/12/2014	लग्न	29/01/2015	चंद्र	00/00/0000
शुक्र	25/10/2014	लग्न	12/12/2014	चंद्र	04/02/2015	गुरु	00/00/0000
लग्न	25/10/2014	चंद्र	19/12/2014	गुरु	18/02/2015	सूर्य	00/00/0000
चंद्र	31/10/2014	गुरु	04/01/2015	सूर्य	24/02/2015	बुध	00/00/0000
गुरु	13/11/2014	सूर्य	12/01/2015	बुध	05/03/2015	शनि	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

शुक्र		सूर्य		चन्द्र		मंगल		राहु	
05/03/2014		05/05/2014		23/05/2014		22/06/2014		14/07/2014	
05/05/2014		23/05/2014		22/06/2014		14/07/2014		06/09/2014	
शुक्र	15/03/2014	सूर्य	06/05/2014	चंद्र	25/05/2014	मंग	24/06/2014	राहु	22/07/2014
सूर्य	18/03/2014	चंद्र	07/05/2014	मंग	27/05/2014	राहु	27/06/2014	गुरु	29/07/2014
चंद्र	23/03/2014	मंग	08/05/2014	राहु	01/06/2014	गुरु	30/06/2014	शनि	07/08/2014
मंग	27/03/2014	राहु	11/05/2014	गुरु	05/06/2014	शनि	03/07/2014	बुध	15/08/2014
राहु	05/04/2014	गुरु	13/05/2014	शनि	10/06/2014	बुध	06/07/2014	केतु	18/08/2014
गुरु	13/04/2014	शनि	16/05/2014	बुध	14/06/2014	केतु	07/07/2014	शुक्र	27/08/2014
शनि	22/04/2014	बुध	19/05/2014	केतु	16/06/2014	शुक्र	11/07/2014	सूर्य	30/08/2014
बुध	01/05/2014	केतु	20/05/2014	शुक्र	21/06/2014	सूर्य	12/07/2014	चंद्र	03/09/2014
केतु	05/05/2014	शुक्र	23/05/2014	सूर्य	22/06/2014	चंद्र	14/07/2014	मंग	06/09/2014

गुरु		शनि		बुध		केतु		शुक्र	
06/09/2014		25/10/2014		22/12/2014		12/02/2015		05/03/2015	
25/10/2014		22/12/2014		12/02/2015		05/03/2015		00/00/0000	
गुरु	13/09/2014	शनि	03/11/2014	बुध	29/12/2014	केतु	13/02/2015	शुक्र	05/03/2015
शनि	21/09/2014	बुध	11/11/2014	केतु	01/01/2015	शुक्र	16/02/2015	सूर्य	00/00/0000
बुध	28/09/2014	केतु	15/11/2014	शुक्र	10/01/2015	सूर्य	18/02/2015	चंद्र	00/00/0000
केतु	30/09/2014	शुक्र	24/11/2014	सूर्य	12/01/2015	चंद्र	19/02/2015	मंग	00/00/0000
शुक्र	08/10/2014	सूर्य	27/11/2014	चंद्र	17/01/2015	मंग	21/02/2015	राहु	00/00/0000
सूर्य	11/10/2014	चंद्र	02/12/2014	मंग	20/01/2015	राहु	24/02/2015	गुरु	00/00/0000
चंद्र	15/10/2014	मंग	06/12/2014	राहु	28/01/2015	गुरु	27/02/2015	शनि	00/00/0000
मंग	18/10/2014	राहु	14/12/2014	गुरु	03/02/2015	शनि	02/03/2015	बुध	00/00/0000
राहु	25/10/2014	गुरु	22/12/2014	शनि	12/02/2015	बुध	05/03/2015	केतु	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा–सूक्ष्म

मंग–शुक्र–केतु		मंग–सूर्य–सूर्य		मंग–सूर्य–चंद्र		मंग–सूर्य–मंग	
17/07/2014 12:18		11/08/2014 08:52		17/08/2014 18:17		28/08/2014 09:57	
11/08/2014 08:52		17/08/2014 18:17		28/08/2014 09:57		04/09/2014 20:55	
केतु	18/07/2014 23:06	सूर्य	11/08/2014 16:32	चंद्र	18/08/2014 15:35	मंग	28/08/2014 20:23
शुक्र	23/07/2014 02:32	चंद्र	12/08/2014 05:20	मंग	19/08/2014 06:30	राहु	29/08/2014 23:14
सूर्य	24/07/2014 08:21	मंग	12/08/2014 14:16	राहु	20/08/2014 20:51	गुरु	30/08/2014 23:06
चंद्र	26/07/2014 10:04	राहु	13/08/2014 13:17	गुरु	22/08/2014 06:56	शनि	01/09/2014 03:26
मंग	27/07/2014 20:52	गुरु	14/08/2014 09:44	शनि	23/08/2014 23:25	बुध	02/09/2014 04:48
राहु	31/07/2014 14:21	शनि	15/08/2014 10:02	बुध	25/08/2014 11:38	केतु	02/09/2014 15:14
गुरु	03/08/2014 21:54	बुध	16/08/2014 07:46	केतु	26/08/2014 02:33	शुक्र	03/09/2014 21:04
शनि	07/08/2014 20:21	केतु	16/08/2014 16:43	शुक्र	27/08/2014 21:10	सूर्य	04/09/2014 06:01
बुध	11/08/2014 08:52	शुक्र	17/08/2014 18:17	सूर्य	28/08/2014 09:57	चंद्र	04/09/2014 20:55

मंग–सूर्य–राहु		मंग–सूर्य–गुरु		मंग–सूर्य–शनि		मंग–सूर्य–बुध	
04/09/2014 20:55		24/09/2014 01:08		11/10/2014 02:13		31/10/2014 08:00	
24/09/2014 01:08		11/10/2014 02:13		31/10/2014 08:00		18/11/2014 10:39	
राहु	07/09/2014 17:57	गुरु	26/09/2014 07:41	शनि	14/10/2014 07:08	बुध	02/11/2014 21:35
गुरु	10/09/2014 07:19	शनि	29/09/2014 00:27	बुध	17/10/2014 03:57	केतु	03/11/2014 22:56
शनि	13/09/2014 08:11	बुध	01/10/2014 10:24	केतु	18/10/2014 08:17	शुक्र	06/11/2014 23:22
बुध	16/09/2014 01:23	केतु	02/10/2014 10:16	शुक्र	21/10/2014 17:15	सूर्य	07/11/2014 21:06
केतु	17/09/2014 04:14	शुक्र	05/10/2014 06:27	सूर्य	22/10/2014 17:33	चंद्र	09/11/2014 09:20
शुक्र	20/09/2014 08:56	सूर्य	06/10/2014 02:54	चंद्र	24/10/2014 10:02	मंग	10/11/2014 10:41
सूर्य	21/09/2014 07:57	चंद्र	07/10/2014 13:00	मंग	25/10/2014 14:22	राहु	13/11/2014 03:53
चंद्र	22/09/2014 22:18	मंग	08/10/2014 12:51	राहु	28/10/2014 15:14	गुरु	15/11/2014 13:50
मंग	24/09/2014 01:08	राहु	11/10/2014 02:13	गुरु	31/10/2014 08:00	शनि	18/11/2014 10:39

मंग–सूर्य–केतु		मंग–सूर्य–शुक्र		मंग–चंद्र–चंद्र		मंग–चंद्र–मंग	
18/11/2014 10:39		25/11/2014 21:37		17/12/2014 04:58		03/01/2015 23:06	
25/11/2014 21:37		17/12/2014 04:58		03/01/2015 23:06		16/01/2015 09:23	
केतु	18/11/2014 21:05	शुक्र	29/11/2014 10:51	चंद्र	18/12/2014 16:29	मंग	04/01/2015 16:30
शुक्र	20/11/2014 02:55	सूर्य	30/11/2014 12:25	मंग	19/12/2014 17:20	राहु	06/01/2015 13:14
सूर्य	20/11/2014 11:52	चंद्र	02/12/2014 07:02	राहु	22/12/2014 09:15	गुरु	08/01/2015 05:01
चंद्र	21/11/2014 02:47	मंग	03/12/2014 12:51	गुरु	24/12/2014 18:04	शनि	10/01/2015 04:14
मंग	21/11/2014 13:13	राहु	06/12/2014 17:33	शनि	27/12/2014 13:33	बुध	11/01/2015 22:30
राहु	22/11/2014 16:04	गुरु	09/12/2014 13:44	बुध	30/12/2014 01:55	केतु	12/01/2015 15:54
गुरु	23/11/2014 15:56	शनि	12/12/2014 22:42	केतु	31/12/2014 02:46	शुक्र	14/01/2015 17:37
शनि	24/11/2014 20:16	बुध	15/12/2014 23:09	शुक्र	03/01/2015 01:47	सूर्य	15/01/2015 08:32
बुध	25/11/2014 21:37	केतु	17/12/2014 04:58	सूर्य	03/01/2015 23:06	चंद्र	16/01/2015 09:23

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पञ्चाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः–

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।
वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः–

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति पक्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे।साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

प्रथम माह

05/03/2014 05:31:00

यह मास आपका प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। इस समय आपकी बुद्धि निर्मलता से युक्त रहेगी तथा सभी महत्पूर्ण कार्य बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। साथ ही आपको पुत्र सुख तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा।इस समय आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग इसे मन से स्वीकार करेंगे। साथ ही आप अनेक प्रकार के शुभ कार्यों को सम्पन्न करेंगे एवं शुभ समाचार भी प्राप्त होंगे। देवता तथा ब्राहमण के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा आप विधिपूर्वक इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनकूल लाभ प्राप्त करेंगे।इस समय आपको समाज में मान प्रतिष्ठा की भी प्राप्ति होगी एवं मानसिक चिन्ताएं भी दूर होंगी।

साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा पदोन्नति भी मिल सकती है। इस समय आप देश विदेश की लाभदायक यात्रा भी कर सकते हैं।साथ ही अन्य प्रकार के सुखों को अर्जित करने में भी आप सफल रहंगे।

द्वितीय माह

04/04/2014 10:00:09

इस मास को सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।साथ ही आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेंगे। समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धुओं एवं मित्र वर्ग से आप आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा सहायता भी अर्जित करेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में उपयोग करेंगे । साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी।इस समय शत्रु वर्ग भी आपसे भयभीत एवं चिन्तित रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यों के द्वारा भी धनार्जन होगा।इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास को सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही आप स्त्री का पूर्ण सुख भी प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी उचित सहयोग तथा सहायता मिलती रहेगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे । धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाजिक जनों से भी पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

तृतीय माह

05/05/2014 02:57:43

यह मास आपके लिए विशेष शुभ फलदायक नहीं रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शत्रु बलवान रहेंगे जिसके कारण आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। साथ ही पारिवारिक जनों से सम्बन्धों में भी तनाव का वातावरण रहेगा जिससे परिवार में अशान्ति रहेगी। अतः मानसिक रूप से आप चिन्तित रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या अजीविका संबधी कार्यों में मंदी आएगी या आपका कोई कार्य छूट भी सकता है।इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक जनों से आपका विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का योग भी बनता है एवं शरीर में कोई रोग भी हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री का आपको पूर्ण सुख मिलेगा तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा बुद्धि बल से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने के लिए उत्सुक होंगे।

चतुर्थ माह

05/06/2014 06:51:02

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मन से भी आप शान्त एवं सन्तुष्ट रहेंगे।साथ ही आपके पराक्रम में अभिवृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग आपसे चिन्तित, भयभीत एवं पराजित होंगे। आपके लाभमार्ग इस समय प्रशस्त रहेंगे अतः आर्थिक स्थिति में सुदृढता होगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे साथ ही कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा जिसकी आप काफी समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे सुख भी प्राप्त करेंगे। सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप पूर्ण समर्थ रहेंगे तथा अपने उच्चाधिकारियों को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में भी आप सफल रहेंगे जिससे आपके सम्मान में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे । इस मास में धर्मानुपालन में भी आप प्रवृत रहेंगे तथा समाज में पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करके प्रसन्नतापूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

पंचम् माह

06/07/2014 17:00:30

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को आप प्राप्त करेंगे। इस समय शत्रु पक्ष प्रबल होने से आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे साथ ही घर में चोरी

होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इस समय आप शारीरिक रूप से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं अन्य कई प्रकार से शारीरिक एवं मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे। अतः शारीरिक बल की भी आप में न्यूनता रहेगी।इस मास में आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते है। आपके सांसारिक कार्यो में कई प्रकार से विध्न बाधाएं आएंगी अतः इन्हें समय पर पूर्ण करने में आप असमर्थ रहेंगे। साथ ही मुकद्दमें आदि कार्य में भी आपके धन का अपव्यय हो सकता है। अतः सोच समझकर बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे।अतः आप स्त्री एवं पुत्र से सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा इस समय आप नवीन वस्त्र या अन्य द्रव्यों को भी अर्जित कर सकेंगे जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

षष्ठ माह

07/08/2014 02:54:58

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगे साथ ही आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप इस मास में धनार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके प्रतीक्षित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सुख भी अर्जित होगा।इस समय सासारिक कार्यो को भी पूर्ण करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सहयोग तथा आदर प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं संतति से पूर्ण रूप से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा एवं समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। अतः यह मास आपके लिए शुभ रहेगा।

सप्तम् माह

07/09/2014 06:07:44

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।इस समय स्त्रीवर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही सौभाग्य से भी युक्त रहेंगे

।अतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे । सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उतम रहेगा।इस समय अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इस में आप सफल भी होंगे।मित्रों तथा संबंधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे भी यथोचित सुख सम्मान एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा।साथ ही मनोच्छित द्रव्य पदाथों की भी आपको इस मास में लाभ होने की सम्भावना रहेगी।संततिपक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा । समाज में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आपको इस समय उपलब्धि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् माह

07/10/2014 22:11:06

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आपके पराक्रम में नित्य वृद्धि होती रहेगी अतः इस समय आपके शत्रु वर्ग कमजोर रहेंगे एवं आप से प्रभावित तथा भयभीत रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय सम्मान एवं सहयोग अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही मुख्य कार्य के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आप लाभार्जन करेंगे । अतः आपकी अर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी इससे समाज तथा मित्रवर्ग में प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।इस मास में आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी तथा पूर्व विलंबित हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वतः सिद्ध हो जाएंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफल रहेंगे एवं सर्वत्र आनन्द एवं प्रसन्नता का वातावरण विद्यमान रहेगा।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे । साथ ही इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार भी हो सकता है।अतः शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सचेत रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी क्षति हो सकती है।अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

नवम् माह

07/11/2014 01:47:22

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ फल दायक रहेगा। इस समय महिला वर्ग से आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त

शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर सम्पन्न होंगे।इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण शान्ति तथा प्रसन्नता प्राप्त करेंगे।साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं ज्ञानार्जन के क्षेत्र में आपके मन में उत्सुकता उत्पन्न होगी। आपके मित्र तथा बन्धु जनों से इस समय मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा सहायता प्राप्त होगी।इस समय आपको इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज में भी आप सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके रूके हुए शुभ कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। एवं प्रचुर मात्रा में धन एवं सुख साधनों को अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे एवं समाज तथा बन्धुवर्ग से पूर्ण सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् माह

06/12/2014 18:57:41

इस माह में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सक्षम रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आप का यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप यथोचित सम्मान अर्जित करेंगे एवं उनको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग का आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उनसे प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करेंगे।साथ ही इस मास में मिष्ठान्न के प्रति आपके मन में विशेष रूचि रहेगी तथा आप प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न ही रहेंगे।इस मास में आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा आप लाभ तथा धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु शुभ फलों के मध्य यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत या वातजनित रोगों से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि किसी ऐसे कार्य को करने के लिए उद्यत होगी जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी। एवं बाद में इसके लिए आप पछताएंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप किंचित धन हानि प्राप्त करेंगे अतः बुद्धि मतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

एकादश माह

05/01/2015 06:19:54

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा फिर भी अल्प मात्रा में शुभ फल अवश्य प्राप्त होंगे। इस समय आपके दुश्मन बलवान रहेंगे तथा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे फलतः आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी अत्यंत ही परिश्रम से सफल होंगे। साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर रहेंगे। शारीरिक रूप से भी आप दुर्बल रहेंगे तथा धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव अल्प ही रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप अल्प मात्रा में ही पूजन तथा सेवा करेंगे। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे तथा शरीर में दुर्बलता का भाव रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस मास में आपकी दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। आपके पारिवारिक कार्य भी इस समय असफल रहेंगे एवं मुकद्दमे आदि में धन व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने बुद्धिचातुर्य से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त सामान्य धन तथा सुखार्जन करके आप प्रसन्नता की अनुभूति कर सकेंगे।

द्वादश माह

03/02/2015 17:55:05

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं शान्तिपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस महीने आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही आयस्रोतों में वृद्धि होगी तथा वांछित लाभ भी प्राप्त करेंगे। इससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप धनार्जन करेंगे। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी। इसके अलावा आपके चिर प्रतीक्षित महत्वपूर्ण कार्य भी इसी मास में सफल होंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा । साथ ही सांसारिक कार्यो को सफल बनाने में भी आप समर्थ होंगे। आपका उच्चाधिकारी वर्ग भी इस समय आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेगा तथा इनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग मिलता रहेगा।

साथ ही इस मास में स्त्री एवं पुत्र से आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं आदि प्राप्त करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार आप सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।